भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2726

जिसका उत्तर 07 अगस्त, 2024 को दिया जाना है ।

16 श्रावण, 1946 (शक)

प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजी-दिशा)

2726. श्री महेंद्र सिंह सोलंकी :
श्री राजू बिष्ट :
डॉ. विनोद कुमार बिंद:
श्री अनुराग शर्मा:
श्री प्रताप चंद्र षडङ्गी :
श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजी-दिशा) योजना आज भी कार्यशील है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण केन्द्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और वर्तमान वित्त वर्ष में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ग) क्या पीएमजी-दिशा योजना का उत्तर प्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव में विस्तार किया गया है;

(घ) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर पश्चिम बंगाल में इन डिजिटल साक्षरता पहलों के प्रभाव और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए कोई कदम उठाए हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने कोविड-19 महामारी के बाद से अब तक प्रमाणित केन्द्रों के प्रशिक्षण के लिए कक्षाएं लेने की व्यवस्था की है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ङ): भारत सरकार ने ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता (प्रति परिवार एक व्यक्ति) का प्रसार करने के लिए वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) योजना शुरू की थी, जिसे दिनांक 31.03.2024 तक कार्यान्वित किया गया था।

पीएमजीदिशा योजना उत्तर प्रदेश, ओडिशा, मध्य प्रदेश, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों सहित देश भर में फैली 2,52,100 ग्राम पंचायतों में लागू की गई थी। इस योजना के तहत, लगभग 7.35 करोड़ उम्मीदवारों को नामांकित किया गया था और 6.39 करोड़ प्रशिक्षित किए गए थे, जिनमें से 4.78 करोड़ उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया था। पीएमजीदिशा योजना के अंतर्गत राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र वार उपलब्धियां **अनुबंध-I** में दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, उक्त योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण केन्द्रों का राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है। चालू वित्त वर्ष में, कार्यान्वयन एजेंसी को 31.40 करोड़ रुपये (लगभग) की राशि जारी करने की सिफारिश की गई है।

पीएमजीदिशा योजना का मूल्यांकन देशभर में तीन एजेंसियों आईआईटी दिल्ली, सामाजिक विकास परिषद (सीएसडी) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली द्वारा किया गया था। पीएमजीदिशा योजना का अंतिम प्रभाव आकलन अध्ययन भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया था। पीएमजीदिशा योजना की आईआईपीए प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष **अनुबंध-III** में दिए गए हैं।

कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान, प्रशिक्षण केंद्र संबंधित केंद्रीय/राज्य/जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों/निर्देशों के अनुरूप प्रचालनरत नहीं थे। एक बार जब महामारी कम होने लगी, तो केंद्रों को मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुरूप प्रशिक्षण कक्षाएं संचालित करने के लिए एक क्रमबद्ध तरीके से चालू किया गया।

*****

अनुबंध- I

<u>पीएमजीदिशा योजना के तहत राज्यों/</u> संघ राज्य क्षेत्रों **<u>की उपलब्धियां</u>**

क्र.सं.	राज्य का नाम	पंजीकृत उम्मीदवार	प्रशिक्षित उम्मीदवार	प्रमाणित उम्मीदवार
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5,564	2,931	1,813
2.	आंध्र प्रदेश	23,01,731	19,17,452	13,90,142
3.	अरुणाचल प्रदेश	14,949	11,615	6,615
4.	असम	27,21,585	23,60,195	18,75,452
5.	बिहार	82,40,606	74,12,740	54,62,848
6.	छत्तीसगढ़	24,86,455	21,37,064	16,06,777
7.	**दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव**	**20,522**	**18,029**	**13,938**
8.	गोवा	58,569	53,784	40,005
9.	गुजरात	30,31,310	26,83,286	19,84,049
10.	हरियाणा	18,57,815	15,77,109	11,90,337
11.	हिमाचल प्रदेश	6,61,922	5,32,976	3,98,166
12.	जम्मू और कश्मीर	8,70,451	7,06,991	5,17,436
13.	झारखंड	27,52,731	22,86,356	16,87,611
14.	कर्नाटक	29,64,726	24,40,957	18,33,519
15.	केरल	1,77,165	1,18,132	85,352
16.	लद्दाख	24,785	22,122	17,377
17.	लक्षद्वीप	142	35	-
18.	**मध्य प्रदेश**	**56,92,467**	**50,69,449**	**37,58,313**
19.	महाराष्ट्र	61,23,970	53,23,817	38,53,643
20.	मणिपुर	28,397	18,286	11,989
21.	मेघालय	1,52,783	1,06,063	71,301
22.	मिजोरम	30,317	23,125	14,357
23.	नागालैंड	11,990	8,968	6,332
24.	**ओडिशा**	**36,16,441**	**30,86,143**	**23,46,795**
25.	पुडुचेरी	22,079	15,801	10,883
26.	पंजाब	17,46,448	15,14,820	11,65,692
27.	राजस्थान	45,06,184	39,70,690	29,27,166
28.	सिक्किम	27,035	23,122	16,480
29.	तमिलनाडु	17,04,537	14,07,880	10,55,235
30.	तेलंगाना	14,56,226	12,10,448	8,64,871
31.	त्रिपुरा	3,25,000	2,64,186	2,15,688
32.	**उत्तर प्रदेश**	**1,63,14,369**	**1,45,48,273**	**1,10,25,560**
33.	उत्तराखंड	7,85,978	6,73,306	5,04,730
34.	पश्चिम बंगाल	28,36,714	23,95,565	18,75,716
कुल		**7,35,71,965**	**6,39,41,718**	**4,78,36,188**

***चंडीगढ़ और दिल्ली शहरी समूह हैं, इसलिए योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किए गए हैं।**

****

अनुबंध- II

<u>पीएमजीदिशा योजना के तहत प्रशिक्षण केंद्रों का राज्य/</u> संघ राज्य क्षेत्र-**<u>वार विवरण</u>**

क्र.सं.	**राज्य/** संघ राज्य क्षेत्र **का नाम**	**प्रशिक्षण केंद्र**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	103
2	आंध्र प्रदेश	18,033
3	अरुणाचल प्रदेश	267
4	असम	6,445
5	बिहार	19,646
6	छत्तीसगढ़	12,258
7	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	90
8	गोवा	307
9	गुजरात	17,587
10	हरियाणा	9,969
11	हिमाचल प्रदेश	4,620
12	जम्मू और कश्मीर	5,921
13	झारखंड	9,261
14	कर्नाटक	16,957
15	केरल	2,080
16	लद्दाख	123
17	लक्षद्वीप	5
18	मध्य प्रदेश	30,956
19	महाराष्ट्र	46,105
20	मणिपुर	408
21	मेघालय	1,140
22	मिजोरम	421
23	नागालैंड	271
24	ओडिशा	12,219
25	पुडुचेरी	151
26	पंजाब	15,953
27	राजस्थान	19,884
28	सिक्किम	145
29	तमिलनाडु	15,952
30	तेलंगाना	9,972
31	त्रिपुरा	1,408
32	उत्तर प्रदेश	80,809
33	उत्तराखंड	9,503
34	पश्चिम बंगाल	7,558
कुल		**3,76,527**

***चंडीगढ़ और दिल्ली शहरी समूह हैं, इसलिए योजना के अंतर्गत शामिल नहीं किए गए हैं।**

****

अनुबंध- III

पीएमजीदिशा योजना: आईआईपीए प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष निम्नानुसार हैं:

- पीएमजीदिशा अपने व्यापक पैमाने और दूरस्थ रूप से निगरानी की जाने वाली परीक्षा के उपयोग के कारण एक अनूठी योजना है।
- एससीएसपी में 18%, टीएसपी के लिए 12% और एनईआर के लिए 11% निधि का उपयोग करके संवेदनशील वर्गों के सशक्तिकरण को सुनिश्चित किया गया है।
- महिलाओं की भागीदारी बहुत बड़ी है और ग्रामीण स्तर पर उनके शामिल होने से पूरे परिवार के सीखने का मार्ग खुलेगा।
- 55% से अधिक उत्तरदाताओं ने पीएमजीदिशा प्रशिक्षण के बाद अपनी आजीविका के लिए प्रत्यक्ष लाभ का हवाला दिया।
- लगभग 50% उत्तरदाताओं ने कहा कि पीएमजीदिशा ने उन्हें बेहतर नौकरी पाने में मदद की।
- पीएमजीदिशा प्रशिक्षण ने आईसीटी और डिजिटल मीडिया के अन्य रूपों के उपयोग पर एक विकट प्रभाव डाला है।
- पीएमजीदिशा ने लाभार्थियों को कई उद्देश्यों के लिए सूचना बिंदुओं और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक उनकी पहुंच को सुविधाजनक बनाकर सेवा प्रदान की है। इससे देश में डिजिटल विभाजन को कम करने में मदद मिली है।

****